CBSE Class 12 हिंदी कोर

Sample Paper 08 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब। खंड-अ में वस्तुपरक तथा खंड-ब में वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।

ii. खंड-अ में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

iii. खंड-ब में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

यह विडंबना की ही बात है, कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं हैं। इसके पोषक तत्व कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है, कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य - कुशलता ' के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है, और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई स्पष्ट नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यह आपत्तिजनक है, कि जाति-प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है । श्रम विभाजन, निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, लेकिन किसी सभ्य समाज में श्रम विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन नहीं करती । भारत की जाति-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वास्थ्य विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊंच-नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता । जाति - प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम - श्रमिक - समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना परिचय या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति - प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण या उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

01. आधुनिक सभ्य समाज कार्य कुशलता के लिए किसे आवश्यक मानता है ?

(क) जाति प्रथा

(ख) श्रम विभाजन

(ग) जातिवाद

(घ) योग्यता

02. किसी मनुष्य के लिए पेशा कैसे निर्धारित होता है ?

(क) उसके सामाजिक स्तर पर

(ख) उसकी योग्यता के अनुसार

(ग) उसकी शिक्षा के अनुसार

(घ) उसके अनुसार

03. जाति प्रथा के अनुसार श्रम विभाजन स्वाभाविक क्यों नहीं होता है ?

(क) क्योंकि यह मनुष्य की इच्छा के अनुसार होता है

(ख) क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं होता है

(ग) क्योंकि यह गलत सिद्धांत है

(घ) क्योंकि इसका दृष्टिकोण सही नहीं होता है

04. श्रम विभाजन का दूसरा रूप क्या है ?

(क) श्रमिक विभाजन

(ख) जातिवाद

(ग) जाति प्रथा

(घ) अस्वाभाविक विभाजन

05. किस आधार पर एक दूसरे के बीच ऊँच-नीच का भेद किया जाता है ?

(क) श्रम

(ख) पेशा

(ग) जन्म

(घ) जाति

06. सक्षम श्रमिक समाज के निर्माण के लिए क्या आवश्यक है ?

(क) योग्यता

(ख) क्षमता का विकास

(ग) जाति बदलना

(घ) जाति-प्रथा

07. गर्भधारण के समय ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर देना किसका प्रतीक है ?

(क) श्रम विभाजन का

(ख) अच्छी प्रथा का

(ग) दूषित सिद्धांत का

(घ) क्षमता के विकास का

08. जाति प्रथा के आधार पर क्या गलत है ?

(क) श्रमिक विभाजन

(ख) श्रम विभाजन

(ग) कार्य कुशलता

(घ) इच्छा से पेशा चुनना

09. प्रस्तुत गद्यांश में क्या दर्शाया गया है ?

(क) जाति प्रथा की खूबियाँ

(ख) जाति प्रथा की कमियाँ

(ग) श्रम विभाजन में कमी

(घ) जाति प्रथा का पतन

10. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए ।

(क) जाति प्रथा और उसकी कमियाँ

(ख) जाति प्रथा के अनुसार विभाजन

(ग) श्रम विभाजन की कमियाँ

(घ) जाति-प्रथा और श्रम विभाजन

OR

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

आज से कोई बीस साल पहले की बात है। मेरा एक मित्र केशव और मैं दोनों जंगल-जंगल घूमने जाया करते। पहाड़-पहाड़ चढ़ा करते, नदी-नदी पार किया करते। केशव मेरे-जैसा ही पन्द्रह वर्ष का बालक था। किन्तु वह मुझे बहुत ही रहस्यपूर्ण मालूम होता। उसका रहस्य बड़ा ही अजीब था। उस रहस्य से मैं भीतर ही भीतर बहुत आतंकित रहता।

केशव ने ही बहुत-बहुत पहले मुझे बताया कि इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना किसे कहते हैं। कुण्डलिनी चक्र से मुझे बड़ा डर लगता। उसने हठयोगियों की बहुत-सी बातें बड़े ही विस्तार के साथ वर्णन कीं।

केशव का सिर पीछे से बहुत बड़ा था। आगे की ओर लम्बा और विस्तृत था। माथा साधारण और घनी-घनी भौंहों के नीचे काली आँखें, बहुत गहरी, मानो दो कुएँ पुतली के काँच से मढ़े हुए हों। यह भी लगता कि उसकी आँखें और जमी हुई हैं। आँखों के बीच, नाक की शुरुआत पर घनी-घनी भौहों की दोनों पट्टियाँ नीचे झुककर मिल जाती थीं। कभी-कभी नाई द्वारा वह इस मिलन-स्थल पर भौहों के बाल कटवा लेता। लेकिन उनके रोएँ फिर उग आते। आँखों के नीचे फीका-पीला, लम्बा, शिथिल और उकताया हुआ थका चेहरा था।

केशव मझोले कद का बालक था जिसे खेलने-कूदने से कोई मोह नहीं था। उसका गणित विषय अच्छा था। इसीलिए केशव मेरे लिए मिडिल और मैट्रिक में जरूरी हो उठा था।

फिर भी मैं केशव के प्रति विशेष उत्साहित नहीं था। मुझे प्रतीत हुआ कि वह मेरे प्रति अधिक स्नेह रखता है। वह मेरे पिताजी के श्रद्धेय मित्र का लड़का था इसलिए उसके वहाँ मेरा काफी आना-जाना था।

केवल एक ही बात उसमें और मुझमें समान थी। वह बड़ा ही घुमक्कड़ था। मैं भी घूमने का शौकीन था। हम दोनों सुबह-शाम और छुट्टी के दिनों में तो दिन-भर दूर-दूर घूमने जाया करते।

इसके बावजूद उसका लम्बा चेहरा फीका और पीला रहता। किन्तु वह मुझसे अधिक स्वस्थ था, उसका डील ज्यादा मजबूत था। वह निस्सन्देह हट्टा-कट्टा था। फिर भी उसके चेहरे की त्वचा काफी पीली रहती। पीले लम्बे चेहरे पर घनी भौंहों के नीचे गहरी-गहरी काली चमकदार कुएँ-नुमा आँखें और सिर पर मोटे बाल और गोल अड़ियल मजबूत ठुड्डी मुझे बहुत ही रहस्य-भरी मालूम होती। केशव में बाल-सुलभ चंचलता न थी वह एक स्थिर प्रशान्त पाषाण-मूर्ति की भाँति मेरे साथ रहता।

मुझे लगता कि भूमि के गर्भ में कोई प्राचीन सरोवर है। उसके किनारे पर डरावने घाट, आतंककारी देव-मूर्तियाँ और रहस्यपूर्ण गर्भ-कक्षोंवाले पुराने मन्दिर हैं। इतिहास ने इन सबको दबा दिया। मिट्टी की तह पर तह, परतों पर परतें, चट्टानों पर चट्टानें छा गयीं। सारा दृश्य भूमि में गड़ गया, अदृश्य हो गया। और उसके स्थान पर यूकैलिप्ट्स के नये विलायती पेड़ लगा दिये गये। बंगले बना दिये गये। चमकदार कपड़े पहने हुई खूबसूरत लड़कियाँ घूमने लगीं। और उन्हीं-किन्हीं बंगलों में रहने लगा मेरा मित्र केशव जिसने शायद पिछले जन्म में या उसके भी पूर्व के जन्म में उसी भूमि-गर्भस्थ सरोवर का जल पिया होगा, वहाँ विचरण किया होगा।

मनुष्य का व्यक्तित्व एक गहरा रहस्य है-इसका प्रथम भान मुझे केशव द्वारा मिला-इसलिए नहीं कि केशव मेरे सामने खुला मुक्त हृदय नहीं था। उसके जीवन में कोई ऐसी बात नहीं थी जो छिपायी जाने योग्य हो। इसके अलावा वह बालक सचमुच बहुत दयालु, धीर-गम्भीर, भीषण कष्टों को सहज ही सह लेनेवाला, अत्यन्त क्षमाशील था। किन्तु साथ ही वह शिथिल, स्थिर, अचंचल, यन्त्रवत् और सहज-स्नेही था। उसमें सबसे बड़ा दोष यह था कि उसमें बालकोचित, बाल-सुलभ गुण-दोष नहीं थे। मुझे हमेशा लगा कि उसका विवेक वृद्धता का लक्षण है।

01. प्रस्तुत गद्यांश में किसके विषय में चर्चा की गई है ?

(क) रहस्य

(ख) लेखक

(ग) केशव

(घ) योग रहस्य

02. केशव लेखक से कैसे संबंधित था ?

(क) दोस्त की तरह

(ख) पिता के मित्र का बेटा

(ग) साथ पढ़ने वाला

(घ) साथ घूमने वाला

03. केशव लेखक के साथ कैसे रहता था ?

(क) शत्रु की भाँति

(ख) मित्र की भांति

(ग) मूर्ति की भांति

(घ) पाषाण की भाँति

04. मनुष्य का व्यक्तित्व क्या है ?

(क) उसकी जीवनशैली

(ख) एक रहस्य

(ग) उसका जीवन

(घ) एक अदृश्य वस्तु

05. गद्यांश में प्रयुक्त इड़ा , पिंगला आदि क्या है ?

(क) योग साधना

(ख) हठयोग

(ग) कोई विषय

(घ) कोई रहस्यमयी किताब

06. केशव में सबसे अधिक रहस्यमयी क्या था ?

(क) उसका शरीर

(ख) उसका दिमाग

(ग) उसका चेहरा

(घ) उसकी स्थिरता

07. विवेक वृद्धता का लक्षण होने से क्या तात्पर्य है ?

(क) बुद्धिमान होना

(ख) क्षमाशील होना

(ग) चंचलता का होना

(घ) स्थिरता का होना

08. दोनों मित्रों में क्या समानता थी ?

(क) घूमना

(ख) पढ़ना

(ग) खेलना

(घ) योग करना

09. किसका गणित विषय अच्छा नहीं था ?

(क) केशव का

(ख) लेखक के मित्र का

(ग) लेखक का

(घ) केशव के मित्र का

10. लेखक का मित्र कैसा था ?

(क) हठयोगी

(ख) रहस्यपूर्ण

(ग) मझोले कद का

(घ) शांत

2. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

सचमुच मुझे दण्ड दो कि हो जाऊँ
पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में
धुएँ के बादलों में
बिलकुल मैं लापता!!
लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है!!
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
या मेरा जो होता-सा लगता है, होता सा संभव है
सभी वह तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है, कार्यों का वैभव है
अब तक तो ज़िन्दगी में जो कुछ था, जो कुछ है
सहर्ष स्वीकारा है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।

I. **सचमुच मुझे दण्ड दो कि हो जाऊँ** में कौन अलंकार है ?

i. रुपक

ii. मानवीकरण

iii. अनुप्रास

iv. विरोधाभास

II. कवि के जीवन में होने वाली चीजों पर किसकी छाया है ?

i. खुद की

ii. प्रियतम की

iii. मित्र की

iv. गुरु की

III. **लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है** में कौन अलंकार है ?

i. यमक

ii. अनुप्रास

iii. अतिशयोक्ति

iv. विरोधाभास

IV. काव्यांश में प्रयुक्त **विवर** शब्द का क्या अर्थ है ?

i. बिल

ii. घर

iii. महल

iv. गुफा

V. कवि कहाँ लापता नहीं होने की बात करता है ?

i. गुफाओं में

ii. जंगल में

iii. बिलों में

iv. धुएँ के बादलों में

OR

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए।

सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा,
देवता कहीं सड़कों पर मिट्टी तोड़ रहे,
तैंतीस कोटि हित सिंहासन तैयार करो,
देवता मिलेंगे खेतों में, खलिहानों में।
अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है,

फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं,
तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो।
धूसरता सोने से श्रृंगार सजाती है;
आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है मूरख
दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,
मंदिरों, राजप्रासादों में, तहखानों में ?
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

I. देश के जनतंत्र को कैसा बताया गया है?
   i. विराट
   ii. संक्षिप्त
   iii. नया
   iv. पुराना
II. जनतंत्र के देवता किसे कहा गया है?
   i. किसानों को
   ii. देवों को
   iii. ज़मींदारों को
   iv. राजाओ को
III. तैंतीस कोटि से क्या आशय है?
   i. भारतीय जनता
   ii. भारतीय सरकार
   iii. भारतीय शासन
   iv. भारतीय जनतंत्र
IV. जनतंत्र के देवता कहाँ मिलते हैं?
   i. खेतों में
   ii. घरों में
   iii. मंदिरों में
   iv. सड़क पर
V. कवि किसके लिए सिंहासन खाली कराना चाहता है?
   i. देश की जनता के लिए
   ii. स्वयं के लिए
   iii. राजनेताओं के लिए
   iv. देवों के लिए

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

a. जनसंचार के कौन-कौन से लोकप्रिय माध्यम वर्तमान में प्रचलित हैं?

   a. टेलीविजन एवं इंटरनेट

   b. अन्य

   c. रेडियो और अखबार

   d. टेलीविजन और अखबार

b. फैशन, ग्लैमर, अमीरों की पार्टियों और लोकप्रिय जाने-माने लोगों के जीवन की जानकारी देने वाली सामग्री को _____ पत्रकारिता कहते हैं।

   a. इंटरनेट पत्रकारिता

   b. वॉचडॉग पत्रकारिता

   c. पेज थ्री

   d. एडवोकेसी पत्रकारिता

c. किसी सामग्री की अशुद्धियों को दूर कर उसे पठनीय बनाना। कहलाता है-

   a. वेब पत्रकारिता

   b. संपादन

   c. पत्रकारिता

   d. फीचर लेखन

d. कारोबार और अर्थ जगत से जुड़ी खबरें किस शैली में लिखी जाती है?

   a. तथ्यात्मक शैली

   b. उल्टा पिरामिड शैली

   c. यथार्थपरक शैली

   d. आम बोलचाल की भाषा में

e. भारत में पहला छापाखाना किसने खोला था?

a. जर्मन लोगों ने

b. मिशनरियों ने

c. भारतीयों ने

d. चीनियों ने

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे घुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।

I. **बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे घुल गई हो** में कौन सा अलंकार है?
   i. उत्प्रेक्षा
   ii. अनुप्रास
   iii. रुपक
   iv. मानवीकरण

II. काव्यांश में आकाश को किससे धुला हुआ बताया गया है?
   i. सूर्य से
   ii. जल से
   iii. राख से
   iv. केसर से

III. **स्लेट पर या लाल खड़िया चाक** पंक्ति में चाक किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
   i. सिल
   ii. आकाश
   iii. सूर्योदय
   iv. उषा

IV. **गौर झिलमिल देह** पंक्ति में आकाश को किसके समान बताया गया है?
   i. चाक
   ii. चिड़िया

iii. युवती

iv. सिल

V. प्रस्तुत काव्यांश के कवि कौन हैं?

i. शमशेर

ii. मुक्तिबोध

iii. रघुवीर सहाय

iv. जयशंकर प्रसाद

5. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

इस दंड-विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी, जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल-जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता। सारी चुगली-चबाई की परिणति, उसके पत्नी-प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी। जिठानियाँ बात-बात पर धमाधम पीटी-कूटी जातीं; पर उसके पति ने उसे कभी उँगली भी नहीं छुआई। वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था। उसके अतिरिक्त परिश्रमी, तेजस्विनी और पति के प्रति रोम-रोम से सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत होगा, क्योंकि उसके प्रेम के बल पर ही पत्नी ने अलगौझा करके सबको अँगूठा दिखा दिया। काम वही करती थी, इसीलिए गाय-भैंस, खेत-खलिहान, अमराई के पेड़ आदि के संबंध में उसी का ज्ञान बहुत बढ़ा-चढ़ा था।

I. भक्तिन और उसके पति के संबंध की विशेषता बताइए।

i. दोनों में आपस में नहीं बनती थी

ii. उसका पति उसकी पिटाई करता था

iii. दोनों में बहुत प्रेम था

iv. दोनों एक दूसरे से विरक्त थे

II. लेखिका किस दंड-विधान की चर्चा कर रही हैं?

i. काम नहीं करने के लिए

ii. बेटी पैदा करने वाली औरतों का तिरस्कार

iii. घर से अलग होने की

iv. आपस में मेलजोल नहीं होने के लिए

III. भक्तिन की जिठानियों और उसमें क्या अंतर था?

i. भक्तिन की किसी से नहीं बनती थी

ii. जिठानियाँ अच्छे स्वभाव की थीं

iii. भक्तिन की पिटाई होती थी

iv. जिठानियों की पिटाई होती थी

IV. भक्तिन का ज्ञान किस संबंध में अच्छा था?

i. खेत खलिहानों के विषय में

ii. किताबों के विषय में

iii. लेखन के विषय में

iv. खाना बनाने के विषय में

V. इस पाठ को किसने लिखा है?

i. विष्णु खरे

ii. महादेवी वर्मा

iii. निराला

iv. धर्मवीर भारती

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. यशोधर पंत अपनी नौकरी में किस पद पर थे?

a. सेक्शन ऑफिसर

b. क्लर्क

c. चपरासी

d. कुछ नहीं

b. यशोधर पंत के ऑफिस में असिस्टेंट ग्रेड में नया कौन आया था?

a. चड्ढा

b. वाई० डी०

c. किशनदा

d. मेनन

c. जूझ पाठ के अनुसार लेखक तुकबंदी कब करता था?

a. स्कूल में

b. खाने के वक्त

c. सोते वक्त

d. भैंस चराने के वक्त

d. जूझ पाठ में लेखक के पिता को उसे पढ़ाने के लिए कौन मनाता है?

a. दत्ता जी राव

b. लेखक की माँ

c. मंत्री

d. वसंत पाटील

e. मुअनजो-दड़ो किस काल का एक शहर है? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. पाषाण काल

b. आदि काल

c. ताम्र काल

d. आधुनिक काल

f. मोहनजोदड़ो के सबसे ऊंचे चबूतरे पर क्या है? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. कमरें

b. बौद्ध स्तूप

c. आकाश

d. रसोई

g. दुनिया की प्राचीन सभ्यता होने के भारत के दावे को _____ का वैज्ञानिक आधार मिल गया। **[अतीत में दबे पाँव]**

a. इतिहास

b. विज्ञान

c. समाज

d. पुरातत्व

h. **डायरी के पन्ने** पाठ में लेखिका के पिता को कहाँ से बुलावा आया था?

a. अस्पताल

b. पुलिस चौकी

c. मिस्टर वान दान

d. ए० एस० एस०

i. **डायरी के पन्ने** पाठ के अनुसार लेखिका के लिए दूसरा सदमा क्या था?

a. माता का बुलावा

b. मार्गोट का बुलावा

c. पिता का बुलावा

d. युद्ध

j. स्मृतियाँ मेरे लिए पोशाकों की तुलना में ज़्यादा मायने रखती हैं।
प्रस्तुत कथन किसका है? **[डायरी के पन्ने]**

a. मार्गोट

b. ऐन फ्रैंक

c. मिस्टर वान दान

d. हैलो

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

a. **कंप्यूटर: आज की ज़रूरत** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

b. **काश! मेरे पंख होते** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

c. **नक्सलवाद की समस्या** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

8. आपके नगर/कस्बे का एक नवयुवक सैनिक देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गया। एक वर्ष बीत जाने पर भी उसकी बेसहारा माँ को कोई सहायता नहीं मिली। उसकी दयनीय दशा बताते हुए तुरंत राहत के लिए रक्षा मंत्री, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के नाम पत्र लिखिए।

OR

आपके मोहल्ले के आस-पास के धार्मिक संस्थान अपने कार्यक्रमों को ऊँचे स्वर में लाउडस्पीकर लगाकर देर एक प्रतिक्रिया करते हैं। इससे उत्पन्न कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए नगर निगम के संबंधित अधिकरी शिकायत-पत्र लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए?

      OR

      कविता के किन प्रमुख घटको का ध्यान रखना चाहिए?

   b. कहानी लेखन में कथानक के पत्रों का संबंध स्पष्ट कीजिए।

      OR

      कहानी के तत्वों की पुष्टि करे।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. वे कौन से कारण हैं जो किसी भी लेखन को विशिष्ट बना देते हैं?

      OR

      भाषा के प्रवाह को जाँचने का क्या तरीका है ?

   b. पत्रकारिता में बीट किसे कहते हैं?

      OR

      विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

   a. **कैमरे में बंद अपाहिज** कविता के व्यंग्य पर टिप्पणी कीजिए कीजिए।

   b. जादू टूटता है इस उषा का अब -उषा का जादू क्या है? वह कैसे टूटता है?

   c. व्याख्या करें - माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ।।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

   a. **मुक्तिबोध** की कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि ने किसे सहर्ष स्वीकारा था। आगे चलकर वह उसी को क्यों भुला देना चाहता है?

   b. फ़िराक गोरखपुरी की रुबाइयों से उभरने वाले वात्सल्य के किन्हीं दो चित्रो को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

   c. **पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी** तुलसी के युग का ही नहीं आज के युग का भी सत्य है। भुखमरी में किसानों की

आत्महत्या और संतानों (खासकर बेटियों) को भी बेच डालने की हृदय-विदारक घटनाएँ हमारे देश में घटती रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों और तुलसी के युग की तुलना करें।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

    a. भक्तिन व लेखिका के बीच कैसा संबंध था?

    b. **काले मेघा पानी दे** पाठ की इंदर सेना युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है -तर्क सहित उत्तर दीजिए।

    c. डॉ. भीमराव आंबेडकर के आदर्श समाज की कल्पना में भ्रातृता का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

    a. बाज़ार दर्शन पाठ में खाली मन तथा भरी जेब से लेखक का क्या आशय है?

    b. लुट्टन को पहलवान बनने की प्रेरणा कैसे मिली?

    c. **नमक** कहानी में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान में रहने वाले लोगों की भावनाओं, संवेदनाओं को उभारा गया है। वर्तमान संदर्भ में इन संवेदनाओं की स्थिति को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

12 Hindi Core SP-08

Class 12 - हिंदी कोर

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. 01. (ख) श्रम विभाजन
   02. (क) उसके सामाजिक स्तर पर
   03. (ख) क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं होता है
   04. (ग) जाति प्रथा
   05. (घ) जाति
   06. (ख) क्षमता का विकास
   07. (ग) दूषित सिद्धांत का
   08. (क) श्रमिक विभाजन
   09. (ख) जाति प्रथा की कमियाँ
   10. (घ) जाति-प्रथा और श्रम विभाजन

   OR

   01. (ग) केशव
   02. (ख) पिता के मित्र का बेटा
   03. (घ) पाषाण की भाँति
   04. (ख) एक रहस्य
   05. (क) योग साधना
   06. (ग) उसका चेहरा
   07. (घ) स्थिरता का होना
   08. (क) घूमना
   09. (ग) लेखक का
   10. (ख) रहस्यपूर्ण

2. I. (iii) अनुप्रास
   II. (ii) प्रियतम की
   III. (iv) विरोधाभास
   IV. (i) बिल

V. (ii) जंगल में

OR

I. (i) विराट
II. (i) किसानों को
III. (i) भारतीय जनता
IV. (i) खेतों में
V. (i) देश की जनता के लिए

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

a. (a) टेलीविजन एवं इंटरनेट
Explanation: टेलीविजन एवं इंटरनेट लोकप्रिय माध्यम वर्तमान समय में उपलब्ध है।

b. (c) पेज थ्री
Explanation: पेज थ्री पत्रकारिता का तात्पर्य ऐसी पत्रकारिता से है जिसमें फ़ैशन, अमीरों की पार्टियों, महफ़िलों और जाने-माने लोगों (सेलीब्रिटी) के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है।

c. (b) संपादन
Explanation: संपादन का अर्थ है-किसी सामग्री से उसकी अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाना। एक उप-संपादक अपनी रिपोर्टर की खबर को ध्यान से पढ़कर उसकी भाषागत अशुद्धियों को दूर करके प्रकाशन योग्य बनाता है।

d. (b) उल्टा पिरामिड शैली
Explanation: ये खबरे उल्टा पिरामिड शैली में लिखी जाती है।

e. (b) मिशनरियों ने
Explanation: भारत में सन् 1556 में गोवा में मिशनरियों ने पहला छापाखाना खोला था। इस का मकसद धर्म प्रचार की पुस्तकों को छापना था।

4. I. (i) उत्प्रेक्षा
II. (iv) केसर से
III. (ii) आकाश
IV. (ii) युवती
V. (i) शमशेर

5. I. (iii) दोनों में बहुत प्रेम था
II. (ii) बेटी पैदा करने वाली औरतों का तिरस्कार
III. (iv) जिठानियों की पिटाई होती थी
IV. (i) खेत खलिहानों के विषय में

V. (ii) महादेवी वर्मा

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. (a) सेक्शन ऑफिसर

Explanation: पाठ के अनुसार यशोधर पंत होम मिनिस्ट्री में कार्यरत थे। अपने कार्यालय में वे सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्य करते थे।

b. (a) चड्ढा

Explanation: यशोधर पंत के ऑफिस में चड्ढा नया आया था, वह सीधे असिस्टेंट ग्रेड में आ गया था। उसकी हरकतें पंत जी को कहीं से भी अच्छी नहीं लगती थी।

c. (d) भैंस चराने के वक्त

Explanation: लेखक अक्सर भैंस को चराने के वक्त तुकबंदी किया करता था। वो अनेक चीजों को देखकर उनपर तुकबंदी किया करता था और उस कविता को कहीं पर भी लिखकर उसे कंठस्थ कर लेता था।

d. (a) दत्ता जी राव

Explanation: पाठ में लेखक को आगे की पढ़ाई कराने के लिए गाँव के मुखिया दत्ता जी राव देसाई लेखक के पिता को समझाते हैं।

e. (c) ताम्र काल

Explanation: मुअनजो-दड़ो जिसे अब मोहनजोदड़ो के नाम से जाना जाता है, वह ताम्र काल का है। ताम्र काल के शहरों में मोहनजोदड़ो सबसे बड़ा और उत्कृष्ट शहर माना गया है।

f. (b) बौद्ध स्तूप

Explanation: मोहनजोदड़ो के सबसे ऊँचे चबूतरे पर बौद्ध स्तूप है, जो मोहनजोदड़ो की सभ्यता के समाप्त हो जाने के बाद बनाया गया था।

g. (d) पुरातत्व

Explanation: सिंधु घाटी सभ्यता की खुदाई और उनसे प्राप्त तमाम वस्तुओं से भारत को दुनिया की प्राचीन सभ्यता होने का पुरातत्व का वैज्ञानिक आधार मिल गया।

h. (d) ए० एस० एस०

Explanation: पाठ के अनुसार लेखिका के पिता को ए० एस० एस० से बुलावा आया था। इस बुलावे से परिवार के सभी लोग चिंतित थे।

i. (b) मार्गोट का बुलावा

Explanation: पाठ के अनुसार लेखिका के लिए दूसरा सदमा उसकी बहन मार्गोट का अचानक सुरक्षित स्थान पर अकेले चले जाना था।

j. (b) ऐन फ्रैंक

Explanation: प्रस्तुत कथन पाठ की लेखिका ऐन फ्रैंक का है। उनके अनुसार स्मृतियों का महत्व किसी भी चीज से ऊपर है।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

a. **कंप्यूटर : आज की ज़रूरत**

कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में असंख्य गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसानी से और कम समय में की जा सकती है।

आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। जहाँ कंप्यूटर से अनेक लाभ हैं, कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण से उनका शारीरिक और मानसिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। फिर भी कंप्यूटर आज के जीवन की आवश्यकता है। अगर हम इसका सही ढंग से प्रयोग करें, तो हम अपने जीवन में और तेजी से प्रगति कर सकते हैं ।

b. **काश! मेरे पंख होते**

मनुष्य एक ऐसा प्राणी है, जिसके पास कल्पना करने की शक्ति है। कोई भी इंसान उस वस्तु अथवा कार्य की भी कल्पना कर सकता है, जो वास्तव में कभी संभव नहीं हो। हर किसी इंसान की तरह मेरी भी एक सोच है कि काश मेरे पंख होते, तो मैं भी आसमान में पक्षियों की तरह उड़ पाता और आसमान की सैर करता। यदि मेरे पंख होते तो मैं किसी की पकड़ में नहीं आता और तेजी से कहीं भी उड़ जाता। अक्सर हम इंसानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए वाहनों की जरूरत पड़ती है, लेकिन अगर मेरे पंख होते तो मुझे किसी भी वाहन की जरूरत ना होती क्योंकि मेरे पंख ही मुझे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते। मेरे पंख होते तो कितना अच्छा होता।

हम सभी को जब भी अपने किसी नजदीकी रिश्तेदार या किसी दोस्त की याद आती है, तो हम उससे फोन पर बातचीत करते हैं। और इससे हमारा मनोरंजन भी होता है, लेकिन मेरे पंख होते तो मुझे फोन पर बात करने की जरूरत नहीं पड़ती। मैं पक्षियों की तरह आसमान में उड़ता हुआ उस जगह पर पहुंचकर अपने दोस्तों रिश्तेदारों से बातचीत करता, तो मुझे बेहद खुशी होती। मैं पक्षियों की तरह, एक पतंग की तरह आसमान की सैर कर रहा होता। काश ! मेरे पंख होते।

मैं उड़ना चाहता हूँ, आसमान की सैर करना चाहता हूँ। लोग वायुयानों के द्वारा आसमान की सैर करते हैं, लेकिन इनके द्वारा आसमान में सैर करने की बात अलग है और अपने खुद के पंखों से आसमान में उड़ना एक बात अलग है। काश मेरे पंख होते तो मैं आसमान की ऊंचाइयों में उड़ता और ऐसा करने में मुझे खुशी का अनुभव होता। काश ! मेरे

पंख होते।

c. **नक्सलवाद की समस्या**

बढ़ते दौर के साथ नक्सलवाद की घटनाओं में वृद्धि होती रही है।हाल ही में नक्सलवाद की घटनाएँ बढ़ी हैं। प० बंगाल में राजधानी एक्सप्रेस को घंटों रोका जाता है तो कहीं थाने, रेलवे स्टेशन आदि को बम से उड़ा दिया जाता है। इन सब घटनाओं से सारा देश उद्वेलित हो उठा है। वस्तुत: नक्सलवाद माक्सवाद के वर्ग संघर्ष सिद्धांत पर आधारित है। इसके अंतर्गत दलित व शोषित वर्ग का प्रथम शत्रु जमींदार, ठेकेदार, साहूकार आदि हैं। नक्सलवादी मानता है कि ये छोटे पूँजीपति ही पूँजीवाद के स्तंभ अधिकारियों, बड़े पूँजीपतियों तथा शासक वर्ग को आधार प्रदान करते हैं।

नक्सलवादियों का प्रमुख उद्देश्य सत्ता केंद्रों पर हमला करना होता है।वास्तव में ये लोग सत्ता के विरुद्ध संघर्ष करते हैं। ये लोग विभिन्न तरीकों से धन वसूलते हैं। ये वन-रक्षकों से वसूली, सरकारी या पूँजीपतियों से धन छीनना, फिरौती, विदेशों से धन, हथियार आदि प्राप्त करते हैं। इनका लक्ष्य नक्सल राज्य की स्थापना करना है। ये 'दंडकारण्य' की माँग कर रहे हैं।

सरकार द्वारा नक्सलवादी आंदोलन को दबाने के प्रयास भी किए गए हैं। कई बार सुरक्षा-बलों ने अभियान चलाए, परंतु राजनीतिक अदूरदर्शिता के कारण ये अभियान असफल हो गए हैं। आज इनकी शक्ति इतनी बढ़ गई है कि ये भारत की संप्रभुता को चुनौती देने लगे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को गंभीर प्रयास करने होंगे। सरकार को चाहिए कि वह नक्सली नेताओं से बातचीत करके उनकी समस्याएँ जाने तथा नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों का पिछड़ापन दूर करने का प्रयास करें। साथ-साथ भूमि-सुधार कानून में संशोधन भी जरूरत है। यदि ये प्रयास तत्काल नहीं किए गए तो देश की एकता खतरे में पड़ जाएगी।बिना उनकी समस्याओं को सुने और समझे ,इस नक्सलवाद को नहीं रोका जा सकता है।

8. परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक: 22, नवंबर 2019
माननीय रक्षा मंत्री
रक्षा मंत्रालय
नई दिल्ली।

विषय- शहीद सैनिक की माँ को आर्थिक सहायता दिलवाने के संबंध में।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान एक शहीद सैनिक की माँ की आर्थिक अभाव में होने वाली कठिनाइयों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। हमारे जिले के सूबेदार विक्रामादित्या सीमा पर आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हो गए थे। सरकार ने उनकी शहादत पर पाँच लाख रुपये और पेंशन देने की घोषणा की थी। इस घटना को एक वर्ष बीत गया, परंतु उनके परिवार को कोई राहत नहीं दी गई। उनकी माँ बेसहारा हैं तथा वे अपना गुजर-बसर करने में सक्षम नहीं हैं। सरकार

सैनिकों के परिवारों की देखभाल का दंभ भरती है, परंतु ऐसी घटनाएँ आम नागरिक का हौसला तोड़ती हैं। सरकार का यह उपेक्षा-भाव सेना की सेवा के प्रति उदासीनता को बढ़ा रहा है।इन कारणों से लोग सेना में जाने के प्रति उदासीन होते जा रहे हैं। सरकारी सहायता से माँ को बेटा तो नहीं मिल पाएगा, परंतु उसे दैनिक जीवन में आर्थिक संघर्ष से राहत अवश्य मिलेगी।

आपसे विनम्र निवेदन है कि आप इस मामले में व्यक्तिगत रुचि लेकर स्व० विक्रमादित्या की माँ को शीघ्रातिशीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आदेश प्रदान करने की कृपा करें।और अगर सरकार ऐसा करने में सक्षम नहीं है, तो भविष्य में ऐसी घोषणाएँ करके लोगों के मन में लालसा न दिलाएँ।

धन्यवाद सहित

भवदीय

गोविन्द राजपूत

OR

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक: 22 नवंबर 2019

प्रशासनिक अधिकारी

दिल्ली नगर निगम

सिविल लाइंस क्षेत्र

16, राजपुरा रोड, दिल्ली।

विषय- धार्मिक सस्थानों द्वारा किए जा रहे ध्वनि-प्रदूषण के संबंध में।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले में हो रहे ध्वनि-प्रदूषण की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। हमारे मोहल्ले राज नगर के 'एच' ब्लॉक' में एक धार्मिक संस्थान है। यह संस्थान प्रायः धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। ये कार्यक्रम अकसर देर रात तक चलते हैं। इनमें लाउडस्पीकरों का प्रयोग होता है जो बहुत तेज आवाज में देर रात तक चलते हैं। इस तेज आवाज के कारण आम व्यक्ति की नींद में बाधा पड़ती है, मरीज परेशान होते हैं। बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती। उनकी एकाग्रता ऊँची आवाज के कारण भंग हो जाती है। बुजुर्ग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हो जाते हैं। नींद पूरी न होने के कारण हर व्यक्ति के कार्यों में बाधा आती है। धार्मिक संस्थान को इस बारे में कई बार बताया गया है, परंतु उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। ये केवल इसी जगह की नहीं, बल्कि अनेक जगहों की समस्या है। इन लोगों को रोकने पर ये धर्म और अंधविश्वासों के माध्यम से लोगों को शांत कर देते हैं।

अतः आपसे निवेदन है कि संस्थान पर कानूनी कार्रवाई करने की कृपा करें, जिससे मोहल्ले वालों को चैन से जीने का अवसर प्राप्त हो सके।

धन्यवाद

भवदीय

गोविन्द आर्य

राज नगर, पालम

9. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

a. **कहानी का नाट्य रूपांतर करते समय इन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिये-**

   i. कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये।
   ii. कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। इसलिये कहानी मे संवाद का समावेश करना जरूरी है।
   iii. कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है।
   iv. नाट्य मे हर एक पत्र का विकास, कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है इसलिये कहानी का नाट्य रूपांतर करते वक्त पात्र का विवरण करना बहुत जरूरी होता है।
   v. एक व्यक्ति कहानी लिख सकता है, पर जब नाट्य रूपांतर कि बात आती है, तो हर एक समूह या टीम कि जरूरत होती है।

b. कविता भाषा में होती है इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान जरूरी है भाषा सब्दो से बनती है शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है भाषा प्रचलित एवं सहज हो पर संरचना ऐसी कि पाठक को नई लगे कविता में संकेतो का बड़ा महत्व होता है इसलिए चिह्नों (, !,।) यहाँ तक कि दो पंक्तियों के बीचका खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है वाक्य-गठन की जो विशिष्ट प्रणालियाँ होती हैं, उन्हें शैली कहा जाता है इसलिए विभिन्न काव्य-शैलियों का ज्ञान भी जरुरी है। शब्दों का चयन, उसका गठन और भावानुसार लयात्मक अनुशासन वे तत्व हैं जो जीवन के अनुशासन की लिए जरुरी हैं।

c. देशकाल, स्थान और परिवेश के बाद कथानक के पत्रों पर विचार करना चाहिए। हर पात्र का अपना स्वरूप, स्वभाव और उद्देश्य होता है। कहानी में वह विकसित भी होता है या अपना स्वरूप भी बदलता है। कहानीकार के सामने पत्रों का स्वरूप जितकारण पत्नारों का अध्ययन कहानी की एक बहुत महत्त्वपूर्ण और बुनियादी शर्त है। इसके स्पष्ट होगा उतनी ही आसानी उसे पत्रों का चरित्र-चित्रण करने और उसके संवाद लिखने में होगी। इसके अंतगर्त पात्रो के अंत संबंध पर भी विचार किया जाना चाहिए। कौन-से पात्र की किस किस परिस्थिति में क्या प्रतिक्रिया होगी, यह भी कहानीकार को पता होना चाहिए।

d. आकार की लघुता, संवेदना की एकता, सत्य का आधार या कल्पना, रोचकता, मनोवैज्ञानिकता और सक्रियता, पत्रों की न्यूनता, स्म्क्लन्त्र्य (स्थान, काल और पात्र), जीवन की घटना अथवा स्थिति विशेष का मार्मिक चित्रण, य्थार्थ्यता, परिस्थिति की सरलता, उद्देश्य की स्पष्टता आदि कहानी की विशेषताएँ हैं। इन विशेषताओं के आधार पर कहानी के छह तत्व निर्धारित किए गए हैं - कथानक या कथावस्तु, पात्र तथा चरित्र- चित्रण, कथोपकथन, देश-काल-वातावरण, भाषा-शैली और उद्देश्य।

10. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

    a. कोई भी लेखन करते समय यह ध्यान देना जरूरी है कि हमारा पाठक, दर्शक या श्रोता कौन है, हमारी बातें उन्हें समझ में आ रहीं हैं या नहीं, हमारे तर्क और तथ्य आपस में मेल खा रहे हैं कि नहीं। हमारी अभिव्यक्ति उनकी जिज्ञासा या समस्या का समाधान करने सक्षम हो ये लेखन को विशिष्ट बनाने के लिए अति आवश्यक है।

    b. रेडियो और टी वी के समाचारों में भाषा एक महत्वपूर्ण तत्व है । इनके भाषा में प्रवाह होना जरूरी है । भाषा के प्रवाह को जाँचने का तरीका है कि हम समाचार को लिखने के बाद उसे बोल-बोलकर पढ़ें । समाचार को पढ़ने से यह पता चल जाएगा कि भाषा में कितना प्रवाह है और एंकर को पढ़ते समय कोई परेशानी तो नहीं होगी ।

    c. पत्रकारिता में संवाददाताओं के बीच उनकी योग्यता एवं रुचि के अनुसार कार्य का विभाजन बीट कहलाता है।

    d. किसी विशेष क्षेत्र जैसे-कृषि, विज्ञान, तकनीकी, व्यापार आदि की तह में जाकर उसका अर्थ स्पष्ट करना तथा मुद्दों और समस्याओं का सूक्ष्म विश्लेषण करके आम पाठक को उसका महत्व बताना। ये सब विशेषीकृत पत्रकारिता के अंतर्गत आते हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

    a. इस कविता में कवि ने मीडिया की ताकत के बारे में बताया है। मीडिया अपने कार्यक्रम के प्रचार व धन कमाने के लिए किसी की करुणा एवं मजबूरी को भी बेच सकता है। वह ऐसे कार्यक्रमों का निर्माण समाज-सेवा के नाम पर करता है परंतु उसे इस कार्यव्यापार में न तो अपाहिजों से सहानुभूति होती है और न ही उनके मान-सम्मान की चिंता। वह सिर्फ़ अपने कार्यक्रम को रोचक बनाना जानता है इसलिए वह पीड़ित की पीड़ा को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है।

    b. सूर्योदय से पूर्व आकाश में नए-नए रंग उभरते हैं। लाल-काले रंगों के अद्भुत मेल से आकाश में जादू जैसा वातावरण बन जाता है। इस रंग-बिरंगे वातावरण को 'उषा का जादू' कहा गया है। सूर्योदय होते ही ये सारे रंग विलीन हो जाते हैं और उषा का जादू टूट जाता है।

    c. तुलसीदास को समाज के उलाहनों-तानों से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि समाज उनके बारे में क्या सोचता है, वे किसी पर आश्रित नहीं है। वे श्री राम का नाम लेकर दिन बिताते हैं, माँग कर खाते हैं और मस्जिद में सो जाते हैं। उन्हें किसी से कुछ भी लेना देना नहीं है। उन्हें अपने आराध्य के सिवा यश-अपयश की भी चिंता नहीं है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

    a. कवि ने अपनी प्रिया से जुड़ी प्रत्येक स्थिति को सहर्ष स्वीकार किया था और आगे चलकर अपनी प्रिय को ही भुला देना चाहता है। इसका कारण यह है कि उसका अज्ञात प्रिय उसके जीवन पर पूरी तरह छा गया है, जिससे वह कमज़ोर पड़ने लगा है। अब वह अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता है। अपनी प्रिय की छाया के कारण अक्षम नहीं बनना चाहता है। हालाँकि वह जानता है कि इस कार्य में भी उसकी प्रिय उसके साथ ही होगी।

b. दीवाली की शाम को घर स्वच्छ तथा पवित्र बनाया गया है। घर को खूब सजा दिया गया है। माँ बच्चे के लिए चीनी मिट्टी के चमकदार खिलौने लाई है। उस रूपवती के चेहरे पर एक आभा है। वह अपने बच्चे के घरौंदे को सजाती है तथा उसमे एक दीप जलाती है। बच्चा प्रसन्न हो जाता है। अपने बच्चे की प्रसन्नता से ही माँ का चेहरा गर्व से फूला हुआ है।

c. तुलसीदास के समय में बेरोजगारी के कारण अपनी भूख मिटाने के लिए सभी अनैतिक कार्य कर रहे थे। अपने पेट की भूख मिटाने के लिए लोग अपनी संतान तक को बेच रहे थे। वे कहते है कि पेट भरने के लिए मनुष्य कोई भी पाप कर सकता है। वर्तमान समय में भी बेरोजगारी और गरीबी के कारण समाज में अनैतिकता,अराजकता बढ़ती जा रही है। आज भी कई लोग अपने बच्चों को थोड़े से पैसों के लिए बेच देते हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. लेखिका व भक्तिन के बीच बाहरी तौर पर सेवक-स्वामी का संबंध था, परंतु व्यवहार में यह लागू नहीं होता था। महादेवी उसकी कुछ आदतों से परेशानी थीं, जिसकी वजह से यदा-कदा उसे घर चले जाने को कह देती थी। इस आदेश को वह हँसकर टाल देती थी। दूसरे, वह नौकर कम, जीवन की धूप-छाँव अधिक थी। वह लेखिका की छाया बनकर घूमती थी। वह आने-जाने वाले, अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब व आम की तरह पृथक अस्तित्व रखती तथा हर सुख-दुख में साथ रहती थी।

b. इंदर सेना युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है। जैसे वह सामूहिक प्रयास से इंद्र देवता को प्रसन्न करके वर्षा करने के लिए कोशिश करती है। उसी प्रकार यदि ये लोग समाज में व्याप्त शोषण, अनैतिकता, भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक प्रयास करें तो देश का स्वरूप अलग ही होगा।

c. आदर्श समाज में तीन तत्वों में से एक भ्रातृता को रखकर लेखक ने आदर्श समाज में स्त्रियों को सम्मिलित नहीं किया है, किंतु वह जिस समाज की बात कर रहा है, उस समाज की संरचना स्त्री तथा पुरुष दोनों से मिलकर निर्मित होती है। वास्तव में लेखक का आशय इस बात से है कि समाज में लोग एक दूसरे के साथ भाईचारे का व्यवहार रखें। समाज में समरसता एवं सह-अस्तित्व की भावना हो तथा लोगों के मन में एक दूसरे के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो। इसके अभाव में आदर्श समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. खाली मन तथा जेब भरी होने से लेखक का आशय है कि मन में किसी निश्चित वस्तु को खरीदने की निर्णय शक्ति का न होना तथा मनुष्य के पास धन होना। ऐसे व्यक्तियों पर बाज़ार अपने चमकदमक से कब्जा कर लेता है।

b. लुट्टन जब नौ साल का था तभी उसके माता-पिता का देहांत हो गया था। सौभाग्य से उसकी शादी हो चुकी थी। अनाथ लुट्टन को उसकी विधवा सास ने पाल-पोसकर बड़ा किया। उसकी सास को गाँव वाले परेशान करते थे। उसका मन करता था की एक-एक करके बदला ले जिस के लिए स्वस्थ शरीर की आवश्यकता थी इसीलिए उसने पहलवान बनने की ठानी। धारोष्ण दूध पीकर, कसरत कर उसने अपना बदन गठीला और ताकतवर बना लिया।

कुश्ती के दाँवपेंच सीखकर लुट्टन पहलवान बन गया।

c. **नमक** कहानी में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान में रहने वालों की भावनाओं, संवेदनाओं को उभारा गया है। आज के संदर्भ में स्थिति में काफी परिवर्तन आ चुका है विभाजन के समय वाली पीढ़ी अब समाप्त हो चुकी है अब उसका स्थान उस पीढ़ी ने ले लिया है जिनके जेहन में विभाजन की कड़वी यादें न के बराबर है इसलिए अब भावनात्मक तौर पर दोनों देशों में दुराव पहले की तुलना में घट गया है परन्तु वर्तमान में देश के राजनैतिक, सामाजिक,सांस्कृतिक आदि के कारण अभी दोनों देशों के बीच तनाव व्याप्त है। निजी स्वार्थों की आड़ में लोग अपना मतलब साध रहे हैं और निर्दोषों को उसका दण्ड भुगतना पड़ता है, इसलिए आज संबंधों में मधुरता लाने के लिए सार्थक प्रयासों की आवश्यकता हैं।